बरेली, शुक्रवार
16 जनवरी, 2026
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 3.00
पृष्ठ 14+4=18

दैनिक जागरण

PAGE NO, III, MIDDLE

रिद्धिमा में आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते रचनाकार • सौ. संस्था

...खुद को रोज बिगाड़ा, रोज बनाया हमने

जास, बरेली: रिद्धिमा के सभागार में गुरुवार को मुशायरा बज्म-ए-सुखन आयोजित हुआ। इसमें शायरों ने अपनी रचनाओं से समाज को जगाने और जिंदगी के कड़वे सच से रूबरू कराया। शुरुआत में अमित शर्मा 'मीत' ने 'इस मिट्टी को ऐसे खेल खिलाया हमने, खुद को रोज बिगाड़ा रोज बनाया हमने, जो सोचा था वो तो हमसे बना नहीं फिर, जो बन पाया उससे जी बहलाया हमने' सुनाकर जिंदगी की परेशानियों को दर्शाया। शायर साक्षी शंखधर ने 'मेरी बेपनाह मोहब्बत को दरकिनार कर दिया, किसी ने इश्क में दिल को जार-जार कर दिया' से तालियां बटोरीं।

शायर लईक खान ने 'जिंदगी तुझसे बहुत कुछ हासिल किया, लेकिन तूने भी बहुत तमाशा किया, पढ़ा। शायर सुरेंद्र नाज ने 'हथेली पर जो सर रखे हुए हैं, वो सब मुझ पर नजर रखे हुए हैं, हमें जैसा भी चाहे रूप दे दो, अभी हम चाक पर रखे हुए हैं... सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। डा. अनवार वारसी ने 'कैसा एलान कर दिया मैंने, सबको हैरान कर दिया मैंने, जिंदगी मुश्किलों में उलझी थी, मर के आसान कर दिया मैंने, सुनाकर मुश्किल जिंदगी का रेखाचित्र खींचा। शायर मखदूम बेग बरेलवी ने अपना कलाम 'जैसी दुनिया में है कलंदर की, ऐसी किस्मत कहां सिकंदर की, प्यास को देखकर मिरी मखदूम, जान मुश्किल में है समंदर की, सुनाकर दर्शनशास्त्र से रूबरू कराया। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक देव मूर्ति, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार, डा. शैलेश सक्सेना, डा. रीता शर्मा मौजूद रहे।